

**ढुलकाना स.क्रि.** (देश.) 1. टपकाना 2. गिराना 3. लुढ़काना 4. बहाना।

**ढुलढुल वि.** (देश.) 1. अस्थिर 2. लुढ़कने वाला विलो. स्थिर।

**ढुलना अ.क्रि.** (देश.) 1. गिरकर बहना, ढरकना 2. झुकना 3. लुढ़कना 4. कृपालु होना 5. अस्थिर होना, इधर-उधर डोलना **पुं.** (तद्.) एक तरह का वाद्य यंत्र।

**ढुलमुल वि.** (देश.) दे. ढुलढुल।

**ढुलमुलाना अ.क्रि.** (देश.) हिलना, काँपना।

**ढुलवाई स्त्री.** (देश.) 1. ढोने का काम 2. ढोने की मजदूरी 3. ढुलाने की क्रिया, ढुलाने की मजदूरी।

**ढुलवाना स.क्रि.** (देश.) ढोने का काम कराना।

**ढुलाई स्त्री** (तद्.) 1. ढोने की क्रिया 2. ढोने की मजदूरी।

**ढुलाना स.क्रि.** (देश.) 1. गिराकर बहाना 2. गिराना 3. लुढ़काना 4. झुकाना 5. अनुकूल करना 6. इधर से उधर हिलाना 7. पोतना, फेरना 8. ढोने का काम कराना।

**ढुलिया स्त्री.** (देश.) छोटी ढोलक।

**ढुलुआ स्त्री.** (देश.) ताड़ या खजूर की बनी शक्कर या चीनी।

**ढूकना अ.क्रि.** (देश.) दे. ढुकना।

**ढूका पुं.** (देश.) आड़ में छिपने की क्रिया।

**ढूढ़ स्त्री.** (देश.) तलाश, खोज।

**ढूढ़-ढाँढ़ स्त्री.** (देश.) खोजबीन, तलाश।

**ढूढ़ना स.क्रि.** (देश.) खोजना, तलाश करना, पता लगाना।

**ढूढी स्त्री.** (देश.) भुने हुए आटे का लड्डू।

**ढूढ़िया पुं.** (देश.) श्वेतांबर जैनियों का एक संप्रदाय।

**ढूसा पुं.** (देश.) कुश्ती का एक पेश।

**ढूह पुं.** (देश.) 1. ढेर 2. टीला।

**ढूहा पुं.** (देश.) दे. ढूह।

**ढूंक पुं.** (तत्.) बगुले की तरह का लंबी गरदन वाला एक जलीय पक्षी।

**ढूंकली स्त्री.** (देश.) 1. लंबी गरदन वाली चिड़िया 2. कुँए से पानी निकालने का एक यंत्र 3. सिलाई का एक प्रकार 4. धान कूटने का लकड़ी का एक यंत्र 5. कलाबाजी।

**ढूंका पुं.** (देश.) 1. बड़ी ढूँकी 2. कोल्हू में जाठ के सिरे से कतरी (पाठ) तक लगा बाँस।

**ढूंकिका स्त्री.** (तत्.) एक प्रकार का नृत्य, एक ताल।

**ढूंकी स्त्री.** (देश.) अनाज कूटने का लकड़ी का एक यंत्र, ढूंकली।

**ढूंकुर पुं.** (देश.) दे. ढूंकली।

**ढूंकुली स्त्री.** (देश.) दे. ढूंकली।

**ढूंटी स्त्री.** (देश.) धव का पेड़।

**ढूंढ पुं.** (देश.) 1. एक अंत्यज जाति 2. कौवा **वि.** मूर्ख।

**ढूंढर पुं.** (देश.) आँख का एक रोग।

**ढूंढवा पुं.** (देश.) लंगूर।

**ढूंढी पुं.** (देश.) 1. कपास, पोस्त, सेमर का डोडा 2. कान का एक गहना।

**ढूंप स्त्री.** (देश.) 1. फल या फूल का वह भाग जो टहनी से लगा रहता है 2. कुचाग्र, चुचुकाग्र 3. ढिपनी।

**ढूंउआ पुं.** (देश.) पैसा।

**ढूंकुला पुं.** (देश.) दे. ढूंकली।

**ढूंबरी स्त्री.** (देश.) दे. डिबरी।

**ढूंबुक पुं.** (देश.) ढूंउआ, पैसा।

**ढूर पुं.** (देश.) 1. रात्रि 2. पुंज **वि.** बहुत अधिक मुहा. ढूर करना- गिरा देना; ढूर रहना- गिरकर मर जाना; ढूर हो जाना- थक कर चूर हो जाना, मर जाना।

**ढूेरा पुं.** (देश.) सुतली बटने का लकड़ी का एक औजार 2. एक वृक्ष (अंकोल)।

**ढूेला पुं.** (देश.) ईंट, मिट्टी आदि का टुकड़ा 2. टुकड़ा (नमक का ढूेला)।

**ढूेला चौथा स्त्री.** (देश.) भाद्र शुक्ल चतुर्थी।